।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus For

M.A. Part - I

(I[st] & II[nd] Semister)

HINDI

(w.e.f.June 2010)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. हिंदी भाग - 1 - निर्धारित पाठ्यक्रम

(प्रारंभ जून 2010)

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :

1) इस पाठ्यक्रम का अध्ययन जून 2010 से प्रारंभ होगा ।

2) संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन दो वर्षो के लिए चार सत्रों में होगा ।

3) प्रथम वर्ष (भाग 1)के अंतर्गत प्रश्नपत्र 1 से लेकर 4 तक का और द्वितीय वर्ष (भाग 2)के अंतर्गत प्रश्नपत्र 5 से लेकर 8 तक का अध्ययन करना होगा ।

4) संपूर्ण हिंदी विषय लेनेवाले छात्रों के लिए सामान्यस्तर और विशेषस्तर दोनो स्तरों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा ।

5) हिंदी का गौण विषय के रूप में अध्ययन करनेवाले,अर्थात अन्य विशेष विषय के 3 प्रश्नपत्र और हिंदी का एक प्रश्नपत्र लेनेवाले छात्रों को प्रथम वर्ष भाग 1 में प्रश्नपत्र 1 सामान्यस्तर तथा द्वितीय वर्ष भाग 2 में प्रश्नपत्र 5 सामान्यस्तर का अध्ययन करना होगा ।

6) प्रश्नपत्र 2,3,4 तथा प्रश्नपत्र 6,7,8 विशेष स्तर के होंगे ।

7) इस पाठयक्रम में प्रश्नपत्र 4 तथा प्रश्नपत्र 8 के अंतर्गत विकल्प दिये गये हैं। इनमें से छात्रों को किसी एक ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा ।

8) प्रत्येक सत्र हेतु 80+20 पॅटर्न अपनाया गया है । इसलिए इस वर्ष से अर्थात एम.ए. हिंदी (भाग 1) तथा अगले वर्ष एम.ए. हिंदी (भाग 2) के लिए यही पॅटर्न होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र का प्रत्येक सत्र का पर्चा 80 अंकों का होगा। अंतर्गत मूल्यांकन हेतु 20 अंकों का प्रावधान है।

एम. ए. हिंदी भाग 1

पाठयक्रम की रूपरेखा

प्रश्नपत्र 1 : सामान्यस्तर - आधुनिक गद्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र 2 : विशेषस्तर - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र 3 : विशेषस्तर - भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र 4 : विशेषस्तर - वैकल्पिक

*** विशेष साहित्यकार :**

अ) कबीर (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

आ) कवि दुष्यंतकुमार (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

*** विशेष विधा :**

इ) हिंदी उपन्यास (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

ई) हिंदी निबंध (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

*** अन्य :**

उ) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र — 1 सामान्य स्तर - आधुनिक गद्य

(उपन्यास, कहानी,नाटक,निबंध,संस्मरण)

* उद्देश्य :

1) छात्रों को आधुनिक गद्य विधाओं से परिचित कराना ।

2) आधुनिक गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना ।

3) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाना तथा मूल्यांकन की क्षमता बढाना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

* पाठ्यपुस्तके :

1) अंतर्वंशी (उपन्यास) - उषा प्रियंवदा
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2) कथाधारा (कहानी) - सं. मार्कण्डेय
लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(इस संकलन से ठाकूर का कुआँ,नारंगियाँ,आतिथ्य,पंचलाइट,समाधि भाई रामसिंह, छिपकली, बादलों के घेरे,सहज और शुभ,यही सच है तथा पिता यह कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है ।)

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

* पाठ्यपुस्तके :

1) बटोही (नाटक) - ह्षीकेश सुलभ
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2) फिर बैतलवा डाल पर (निबंध)- विवेकी राय
भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

(इस संग्रह से चतुरी चाचा से मुलाकात,कवि सम्मेलन में,भाषण का असर, एक हजार की थैली,सभापती, मास्टर और नेता,रामबाबू बी.डी.ओ.से मिले, गरदन का दर्द , चूहे, अँग्रेजी और घूस, फिर बैतलवा डाल पर, निशानी अँगूठा : जिन्दाबाद यह निबंध अध्ययन हेतु निर्धारित किये गये हैं ।)

3) संस्मरण (संस्मरण) - महादेवी वर्मा

राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली - 6

(इस संग्रह से दद्दा, निरालाभाई,स्मरणः प्रेमचंद,प्रसाद,सुमित्रानंदन पंत,सुभद्रा, प्रणाम,पुण्य-स्मरण,राजेन्द्र बाबू, जवाहर भाई यह संस्मरण अध्ययन हेतु निर्धारित किये गये हैं ।)

*** संदर्भ ग्रंथ –**

1)	हिंदी साहित्य का इतिहास	-	डॉ. नगेन्द्र
2)	आज का हिंदी उपन्यास	-	डॉ. इन्द्रनाथ मदान
3)	नई कहानी की भूमिका	-	कमलेश्वर
4)	समकालीन हिंदी कहानी	-	डॉ. विनय
5)	आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव	-	डॉ.दशरथ ओझा
6)	हिंदी नाटक	-	डॉ. बच्चनसिंह
7)	हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार	-	डॉ. हरिमोहन
8)	हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन	-	डॉ. मु.ब.शहा
9)	ललित निबंध	-	डॉ. संगीता सारस्वत
10)	हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार	-	डॉ. सुरेश अग्रवाल
11)	समांतर कहानी में यथार्थबोध	-	डॉ. रेखा पाटील
12)	संस्मरण और संस्मरणकार	-	डॉ. मनोरमा शर्मा

प्रश्नपत्र – २   विशेष स्तर - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

* उद्देश्य :

1) हिंदी के प्रतिनिधि कवियों की कृतियों के अध्ययन द्वारा प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य का परिचय कराना ।

2) प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य-प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।

3) प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य-प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की काव्यकला का परिचय कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

* पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :

* विद्यापति,   * जायसी, ।

अध्ययन हेतु रचनाएँ,ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार सें है -

1) विद्यापति - सं. आनंदप्रकाश दीक्षित
साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर ।

छंद - 1,8,9,12,18,34,59,66,67,74,77,79

अध्ययनार्थ विषय - संयोग शृंगार,वियोग शृंगार,सौंदर्य चित्रण, भक्त या शृंगारी कवि, काव्यकला

2) पद्‌मावत - सं. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
साहित्यभवन , चिरगाँव-झाँसी ।

खंड एवं छंद
1) सिंहल द्विप वर्णन खंड - 27,31,35,43,49
2) नागमती वियोग खंड - 341,342,345,346,355
3) पद्‌मावती रूप चर्चा खंड - 468,470,471,474,478

अध्ययनार्थ विषय - प्रेमभावना, वियोग वर्णन, रूप-सौंदर्य चित्रण,रहस्यवाद,प्रकृति चित्रण,इतिहास और कल्पना, महाकाव्यत्व, अन्योक्ति-समासोक्ति, काव्यकला ।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

* पाठ्यक्र म में निर्धारित कवि :

* तुलसीदास, * सूरदास * बिहारी ।

अध्ययन हेतु रचनाएँ,ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार सें है -

1) विनयपत्रिका - तुलसीदास
गीता प्रेस, गोरखपुर
छंद - 01,05,45,64,73,76,79,81,87,90
अध्ययनार्थ विषय - भक्तिभावना, काव्यसौंदर्य,काव्यकला, समन्वय भावना, लोकमंगल भावना ।

2) भ्रमरगीत - सं. रामचंद्र शुक्ल
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
कमल प्रकाशन , दिल्ली
पद - 10,21,32,40,51,62,80,89,95, 98,120,135,145, 172, 200
अध्ययनार्थ विषय - संयोग-वियोग शृंगार,भक्ति भावना,प्रकृति चित्रण काव्य-सौंदर्य, काव्यकला ।

3) बिहारी प्रकाश - सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
इस संकलन के सभी दोहे अध्ययन एवं ससंदर्भ व्याख्या के लिए निर्धारित है ।
अध्ययनार्थ विषय - संयोग -वियोग शृंगार,प्रसंगोद्‌भावना,भक्ति,नीति एवं सौंदर्य चित्रण,काव्यसौंदर्य, बिहारी की बहुज्ञता,काव्यकला ।

* संदर्भ ग्रंथ :

1	विद्यापति की काव्य प्रतिभा	-	गोविंदराम शर्मा
2	विद्यापति : युग और साहित्य	-	डॉ. अरविंद नारायण सिन्हा
3	विद्यापति और उनका काव्य	-	डॉ.शिवप्रसाद सिंह
4	पद्‌मावत में काव्य,संस्कृति और दर्शन	-	डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
5	मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	-	डॉ.शिवसहाय पाठक
6	जायसी ग्रंथावली (भूमिका)	-	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7	गोस्वामी तुलसीदास	-	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
8	गोस्वामी तुलसीदास	-	आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
9	तुलसी दर्शन	-	डॉ.बलदेवप्रसाद मिश्र
10	सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण	-	डॉ. विश्वनाथ उपाध्याय
11	सूर और उनका साहित्य	-	डॉ.हरवंशलाल शर्मा
12	भ्रमरगीत का काव्यवैभव	-	डॉ.मनमोहन गौतम
13	बिहारी का नया मूल्यांकन	-	डॉ.बच्चनसिंह
14	बिहारी मीमांसा	-	डॉ.रामसागर त्रिपाठी
15	बिहारी का काव्य लालित्य	-	डॉ.रमाशंकर तिवारी
16	मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तम्भ	-	डॉ. तेजपाल चौधरी
17	भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता	-	डॉ.संजय शर्मा
18	मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता	-	डॉ.कृष्णा पोतदार

प्रश्नपत्र – 3 विशेष स्तर

भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना

उद्देश्य :

1) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना ।

2) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों के विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों ज्ञान कराना ।

3) आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का परिचय कराना ।

4) साहित्यशास्त्रीय आलोचना की दृष्टि देना तथा समीक्षा की क्षमता में अभिवृध्दि कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम :

1) भारतीय काव्यशास्त्र के विकास-क्रम का संक्षेप में परिचय ।

(इस पर परी[illegible]ा में प्रश्-न -नहीं पूछा जायेगा।)

2) रससिध्द्ांत - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र और भट्ट लोलट,शंकुक,भट्टनायक और अभिनव गुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन।
साधारणीकरण - भट्टनायक, अभिनव गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वनाथ, आ. रामचंद्र शुक्ल, डॉ.नगेन्द्र, डॉ.नामवरसिंह, डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन । वर्तमान संदर्भ में रससिद्धांत ।

3) अलंकार सिद्धांत - ‘ अलंकार ’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप । काव्य में अलंकार का स्थान।

4) रीति सिद्धांत - ‘रीति’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा । रीति के विविध पर्याय,रीति भेदों के आधार,रीति भेद,रीति और गुण,रीति और शैली ।

5) ध्वनि सिद्धांत - ‘ध्वनि ’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, । ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति , ध्वनि के भेद - अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य, तात्पर्यावृत्ति ।

6) वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्व ।

7) औचित्य सिद्धांत - औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्व ।

8) आलोचना - स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण, आलोचना के विभिन्न प्रकार- सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी,मनोवैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी आलोचना ।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय ।

(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जायेगा।)

2) अनुकरण सिद्धांत - अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय ।

3) विरेचन सिद्धांत – प्लेटो, अरस्तू के विचारों का विवेचन ।

4) उदात्त सिद्धांत - लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या,स्वरूप,उदात्त के अंतरंग-बहिरंग तत्व, उदात्त के विरोधी तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व ।

5) क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद - अभिव्यंजनावाद का स्वरूप, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद ।

6) मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत – काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या,मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन, संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्व, रिचर्डस् का योगदान ।

7) निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत–इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा,व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण । वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता, सिद्धांत का स्वरूप, विभाव विधान या भावदर्शन प्रणाली, भारतीय काव्यशास्त्र के साधारणीकरण से तुलना ।

8) निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन - कलावाद,यथार्थवाद,प्रतीकवाद, बिम्बवाद,अस्तित्ववाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र - डॉ.भगीरथ मिश्र
2. रस सिद्‌धांत : स्वरूप, विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
3. भारतीय साहित्यशास्त्र-खंड 1 और 2 - आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्‌धांत - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
5. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्‌धांत - डॉ. कृष्णदेव शर्मा
6. रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

7) औचित्य विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
8) समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड - डॉ. रामसागर त्रिपाठी
9) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्‌धांत - डॉ. सुरेश अग्रवाल
10) काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड - डॉ.वासंती सालवेकर, डॉ.उर्मिला पाटील
11) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्‌धांत - डॉ. कृष्णदेव शर्मा
12) अरस्तू का काव्यशास्त्र - डॉ.नगेंन्द्र
13) पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा
14) भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी / शांतिस्वरूप गुप्त
15) रिचर्डस् के आलोचना सिद्‌धांत - डॉ. शंभूनाथ झा
16) उदात्त के विषय में - डॉ. निर्मला जैन
17) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्‌धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
18) पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन / कुसुम बांठिया
19) टी.एस.इलियट के आलोचना सिद्‌धांत - डॉ.शिवमूर्ति पाण्डेय
20) आलोचक और आलोचना - डॉ.बच्चनसिंह
21) हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास - डॉ. भागवतस्वरूप मिश्र
22) आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य - डॉ. शिवचरण सिंह
23) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदण्ड - डॉ. भाऊ साहेब परदेशी
24) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. तेजपाल चौधरी

प्रश्नपत्र 4

विशेषस्तर - वैकल्पिक

* विशेष साहित्यकार – अ) कबीर

उद्देश्य :

1 विशेष साहित्यकार के रूप में कबीर के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का ज्ञान कराना ।

2 युगीन परिप्रेक्ष्य में कबीर के काव्य की प्रेरणाओं तथा विशेषताओं का अध्ययन करना ।

3 कबीर काव्य की प्रासंगिकता के संदर्भ में उनके योगदान पर प्रकाश डालना तथा साहित्यिक व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

अ) अध्ययन और आलोचना

1) भक्ति आंदोलन और निर्गुण भक्ति ।

2) संत काव्य परंपरा और कबीर ।

3) कबीर और उनका साहित्य ।

4) क्रांतिदर्शी कबीर ।

5) कबीर का प्रेमतत्व, विरह भावना और रहस्य भावना ।

6) कबीर काव्य का सामाजिक पक्ष

आ) पाठ्यपुस्तक - कबीर ग्रंथावली -सं.श्यामसुंदर दास

नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

अध्ययन हेतु दोहे -

गुरूदेव कौ अंग - 3, 6,12,14,15,16, 21, 26, 33, 34

विरह कौ अंग - 4, 5, 6, 7, 9,11,12,14,15,18, 20,21, 22, 23, 25, 26, 33, 35, 41,45

परचा कौ अंग - 1, 3, 9,10,11,12,16,17, 21, 22, 24, 27, 31,32, 35, 36, 39, 43, 44, 45

मन कौ अंग - 5,12,15,22,30

चितावणी कौ अंग - 1, 4, 8,12,16,19, 20, 34, 44, 45

माया कौ अंग - 6,10,17, 21, 28,

काल कौ अंग	-	1,13,14,15, 20,
निंदा कौ अंग	-	2, 3, 4, 6, 8

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

अ) अध्ययन और आलोचना

1) कबीर की भक्तिभावना ।

2) कबीर की दार्शनिकता ।

3) कबीर काव्य की प्रासंगिकता ।

4) कबीर की उलटबाँसियाँ ।

5) कबीर का लोकचिंतन ।

6) कबीर के काव्य का कलापक्ष ।

आ) पाठ्यपुस्तक - कबीर ग्रंथावली -सं.श्यामसुंदर दास

नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

पद	-	1, 8,16, 40, 43, 55, 92,111,117,156,180, 198, 200, 251, 274, 290, 329, 346, 396, 400
रमैणी	-	राग सूहौ - 01
अष्टपदी रमैणी	-	05

संदर्भ ग्रंथ -

1)	कबीर	-	हजारीप्रसाद द्विवेदी
2)	कबीर	-	सं.डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
3)	कबीर की विचारधारा	-	डॉ.गोविंन्द त्रिगुणायत
4)	कबीर साहित्य की परख	-	आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
5)	कबीर साधना और साहित्य	-	डॉ. प्रतापसिंह चौहान
6)	निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि - डॉ.गोविंन्द त्रिगुणायत		
7)	हिंदी संतों का उलटबाँसी साहित्य	-	डॉ.रमेशचंद्र मिश्र
8)	संत साहित्य की लौकिक पृष्ठभूमि	-	ओमप्रकाश शर्मा
9)	कबीर का रहस्यवाद	-	डॉ. रामकुमार वर्मा
10)	कबीर के दर्शन और काव्य के स्त्रोत-		सिताराम सिंह.
11)	कबीर साहित्य में योग रूपक	-	डॉ. भगवत प्रसाद दुबे
12)	कबीर साहब का रहस्यवाद	-	आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
13)	कबीरदास व्यक्ति और चिंतन	-	डॉ. आनंदप्रसाद दीक्षित
14)	कबीर एक विवेचन	-	डॉ.सरनामसिंह शर्मा 'अरूण'
15)	कबीर मीमांसा	-	डॉ. रामचंद तिवारी
16)	कबीर जीवन और दर्शन	-	डॉ. भोलानाथ तिवारी
17)	कबीरदास सृष्टि और दृष्टि	-	डॉ. शिवाजी देवरे डॉ. भाऊसाहेब परदेशी

प्रश्नपत्र 4

विशेषस्तर - वैकल्पिक

* विशेष साहित्यकार – आ) कवि दुष्यंतकुमार

उद्देश्य :

1) कवि दुष्यंतकुमार के व्यक्तित्व का परिचय कराना ।
2) कवि दुष्यंतकुमार के साहित्य का परिचय कराना ।
3) युगीन परिप्रेक्ष्य में दुष्यंतकुमार की काव्य प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना ।
4) दुष्यंतकुमार के काव्य का मूल्यांकन तथा उनके साहित्यिक योगदान का ज्ञान कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यग्रंथ :

1) सूर्य का स्वागत - दुष्यंतकुमार
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2) आवाजों के घेरे - दुष्यंतकुमार
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3) जलते हुए वन का वसंत - दुष्यंतकुमार
   अनादि प्रकाशन, इलाहाबाद

अध्ययनार्थ विषय :

1) दुष्यंतकुमार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।
2) दुष्यंतकुमार का समय ।
3) दुष्यंत के काव्य विकास के सोपान ।
4) दुष्यंत के काव्य की विशेषताएँ ।
5) दुष्यंत के काव्य का भावपक्ष।
6) दुष्यंत के काव्य का कलापक्ष।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यग्रंथ :

1) साये में धूप - दुष्यंतकुमार
राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

2) एक कंठ विषपायी- दुष्यंतकुमार
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अध्ययनार्थ विषय :

1) हिंदी गजल और दुष्यंतकुमार ।
2) दुष्यंत की गजलों की विशेषताएँ ।
3) दुष्यंत के काव्यनाटक की विशेषताएँ ।
4) दुष्यंत के काव्य का भावपक्ष ।
5) दुष्यंत के काव्य का कलापक्ष ।
6) दुष्यंत का हिंदी साहित्य में योगदान ।

संदर्भ ग्रंथ -

1) दुष्यंतकुमार और उनका साहित्य - डॉ.हरिचरण शर्मा ‘चिंतक’
2) दुष्यंतकुमार रचना और रचनाकार - गणेश अष्टेकर
3) हिंदी गजल : उद्‌भव और विकास - रोहिताश्व अस्थाना
4) रचनाकार दुष्यंतकुमार - डॉ.किशोर
5) हिंदी गजल के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ.मधु खराटे
6) दुष्यंतकुमार रचनावली - सं. विजय बहादुर सिंह
7) दुष्यंतकुमार और नई कविता : एक अनुशीलन -बयनसिंह
8) साये में धूप : समकालीन सृजन संदर्भ - डॉ.पद्‌मा पाटील
9) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ.मधु खराटे
10) दुष्यंतकुमार व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ.गिरीश त्रिवेदी

प्रश्नपत्र – 4

विशेष स्तर - वैकल्पिक

* विशेष विधा – इ) हिंदी उपन्यास

उद्देश्य :

1) उपन्यास विधा के तात्त्विक स्वरूप की जानकारी देना ।
2) हिंदी उपन्यासों के विकासक्रम का ज्ञान कराना ।
3) हिंदी उपन्यासों की विभिन्न प्रवृत्तियों का परिचय कराना ।
4) उपन्यास तथा अन्य विधाओं का तुलनात्मक परिचय देना ।
5) हिंदी उपन्यास के विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में निर्धारित उपन्यासों का अध्ययन कराना ।

प्रथम सत्र - पाठ्य□म

अध्ययन के लिए निर्धारित उपन्यास :

1. गोदान - प्रेमचंद
2. आपका बंटी - मन्नू भंडारी

अध्ययनार्थ विषय :

1. उपन्यास की परिभाषा, तत्व, शिल्पविधान ।
2. उपन्यास और अन्य कथात्मक विधाएँ - उपन्यास और कहानी, उपन्यास और महाकाव्य, उपन्यास और जीवनी ।
3. निर्धारित उपन्यासों का अध्ययन।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

अध्ययन के लिए निर्धारित उपन्यास :

1. काली आँधी - कमलेश्वर
2. लाल टीन की छत - निर्मल वर्मा
3. सूरज किरण की छाँव - राजेंद्र अवस्थी

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी उपन्यासों का विकास - प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद कालीन, प्रेमचंदोत्तर परंतु स्वातंत्र्यपूर्व , स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास ।
2 हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ - सामाजिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, आँचलिक, समस्यामूलक, मनोवैज्ञानिक, अस्तित्त्ववादी, वैज्ञानिक ।
3. निर्धारित उपन्यासों का अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. उपन्यास तत्व एवं रूप विधान - श्री नारायण अग्निहोत्री
2. हिंदी उपन्यास शिल्प और प्रयोग - डॉ. त्रिभुवन सिंह ।
3. आधुनिक उपन्यासों में वस्तुविन्यास - डॉ. सरोजिनी त्रिपाठी
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में राजनैतिक और आर्थिक चेतना - डॉ.पितांबर सरोदे
5. आज का हिंदी उपन्यास - डॉ.इन्द्रनाथ मदान
6. उपन्यास – स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
7. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र
8. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास - डॉ. धनराज मानधने
9. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों में सामाजिक चेतना - डॉ. अमरसिंह
10. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - सं.रामदरश मिश्र.
11. समकालीन हिंदी उपन्यास : कथ्य विश्लेषण - डॉ. प्रेमकुमार
12. आधुनिक उपन्यास विविध आयाम - डॉ. विवेकी राय
13. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधी - डॉ.सत्यपाल चुध
14 . उपन्यास शिल्प - डॉ. गोपाल राय ।
15. अद्यतन हिंदी उपन्यास - डॉ. बिंदु भट्ट ।
16. हिंदी उपन्यास :उद्भव और विकास - डॉ. सुरेश सिन्हा ।
17. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - डॉ.इन्द्रनाथ मदान ।
18. राजेंद्र अवस्थी का कथा साहित्य - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी ।

प्रश्नपत्र – ४

विशेष स्तर - वैकल्पिक

* विशेष विधा – ई) हिंदी निबंध

उद्देश्य :

1) हिंदी निबंध से परिचय एवं स्वरूप का ज्ञान कराना ।

2) हिंदी निबंध के उद्‌भव और विकास की जानकारी देना ।

3) हिंदी निबंध के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढाना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

अध्ययन के लिए निर्धारित ग्रंथ :

1. चिंतामणि (भाग 1) - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

   निबंध – 1, 3, 4, 5, 6, 9, 10, 15 ।

2. कल्पलता - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

   निबंध – 1, 2, 3, 5, 6, 8, 9, 10 ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. निबंध की परिभाषा, तत्व, शिल्पविधान ।
2. हिंदी निबंध का उद्‌भव और विकास, विकास के विभिन्न युग ।
3. निर्धारित निबंधों का अध्ययन।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

अध्ययन के लिए निर्धारित ग्रंथ :

1. रेती के फूल - रामधारी सिंह 'दिनकर'

   निबंध – 1, 2, 3, 4, 5, 12, 13, 14 ।

2. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है - विद्‌यानिवास मिश्र

   निबंध – 1, 2, 6, 10, 11, 13, 15, 17 ।

3. धूप का अवसाद - डॉ.श्रीराम परिहार

   निबंध – 1, 4, 5, 7, 8 , 14, 17, 21 ।

अध्ययनार्थ विषय :

1. हिंदी निबंध के विभिन्न प्रकार ।
2. हिंदी निबंध की शैलीगत विशेषताएँ ।
3. निर्धारित निबंधों का अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंधकार - डॉ.जगन्नाथ नलिन
2. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. सुरेश अग्रवाल
3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
4. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन - डॉ. मु.ब.शहा
5. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का समग्र साहित्य : एक अनुशीलन - यदुनाथ चौबे
7. हिंदी ललित निबंध परंपरा और प्रयोग - डॉ.वेदवती राही
8. ललित निबंध - डॉ. संगीता सारस्वत
9. अमृत पुत्र (डॉ.विद्यानिवास मिश्र) - सं.कुमुद शर्मा
10. अक्षत (पत्रिका) डॉ.विद्यानिवास मिश्र पर केंद्रित अंक - सं.श्रीराम परिहार
11. निबंधकार आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - डॉ.शिवाजी देवरे
12. विद्यानिवास मिश्र का निबंधालोक - डॉ. दिलीप देशमुख

प्रश्नपत्र – 4

विशेष स्तर - वैकल्पिक

* अन्य - उ) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

उद्देश्य :

1. अनुसंधान प्रविधि से परिचित कराना ।
2. अनुसंधान की प्रक्रिया से परिचित कराना ।
3. अनुसंधान कार्य के लिए प्रेरणा प्रदान करना ।
4. अनुसंधान की क्षमता का विकास करना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम :

अ. अनुसंधान का स्वरूप

1. अनुसंधान हेतु प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य ।
2. अनुसंधान की परिभाषाएँ और उनका आशय ।
3. अनुसंधान के उद्देश्य ।
4. अनुसंधान की आवश्यकता ।
5. अनुसंधान और आलोचना ।

आ. अनुसंधान के प्रकार

1. साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार-
   वर्णनात्मक,ऐतिहासिक,तुलनात्मक,व्याख्यात्मक ।
2. साहित्येतर अनुसंधान ।
3. साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान : साम्य - वैषम्य एवं अंतःसंबंध ।

इ. अनुसंधान की प्रक्रिया

विषय चयन, सामग्री संकलन, सामग्री का विश्लेषण , सामग्री का संश्लेषण, सामग्री का विवेचन एवं निष्कर्ष ।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

अ. प्रबंध लेखन प्रणाली :

शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन,संदर्भ उल्लेख,पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ सूची,टंकलेखन, वर्तनी सुधार ।

आ. अनुसंधान कार्य के घटक तत्व और सामग्री

1. घटक तत्व : अनुसंधान कर्ता , निर्देशक ।
2. अनुसंधान कर्ता के गुण ।
3. सामग्री : प्रकार एवं स्त्रोत ।

इ. हिंदी अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावनाएँ

1. हिंदी अनुसंधान कार्य की स्थिति ।
2. हिंदी अनुसंधान कार्य की संभावनाएँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

1.	शोध प्रविधि	-	डॉ.विनय मोहन शर्मा
2.	नवीन शोध विज्ञान	-	डॉ.तिलक सिंह
3.	अनुसंधान का विवेचन	-	डॉ. उदयभानु सिंह
4.	साहित्य सिध्दांत और शोध	-	डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित
5.	हिंदी अनुसंधान	-	डॉ.विजयपाल सिंह
6.	अनुसंधान का स्वरूप	-	डॉ.सावित्री सिन्हा
7.	अनुसंधान और आलोचना	-	डॉ.नगेन्द्र
8.	अनुसंधान प्रविधि	-	डॉ. गणेशन
9.	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	-	डॉ.विनयकुमार पाठक
10.	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	-	डॉ.मधु खराटे, डॉ.शिवाजी देवरे

प्रश्नपत्र – 4

विशेष स्तर - वैकल्पिक

* अन्य - (ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य

उद्देश्य :

1. मराठी भाषी संतों-साहित्यिकों की हिंदी सेवा का, संत साहित्य का तथा संप्रदायों का परिचय छात्रों को कराना ।
2. संत काव्य के अध्ययन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता की भावना बढाना ।

प्रथम सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्य ग्रंथ :

1. मराठी संतो की हिंदी वाणी - सं.आनंदप्रकाश दिक्षित ।

* संत नामदेव

पदसंख्या – 1, 3, 4, 11, 25

* संत एकनाथ

पदसंख्या – 1, 9, 12, 16, 19

* संत तुकाराम

पदसंख्या – 2, 8, 9, 11, 12

* संत बहिणाबाई

पदसंख्या – 3, 6, 12, 14, 16

अध्ययनार्थ विषय :

1. दक्षिण भारत में हिंदी प्रचार ।
2. महाराष्ट्र के पाँच प्रमुख संत संप्रदायों का परिचय-नाथ,महानुभाव,वारकरी,दत्त, समर्थ ।
3. मराठी संतों की हिंदी काव्य परंपरा ।
4. पठित पदों के संदर्भ में भाषा एवं कला की विशेषताएँ ।

द्वितीय सत्र - पाठ्यक्रम

पाठ्यग्रंथ -

1. महाराष्ट्र के संतो का हिंदी काव्य - सं.डॉ.प्रभाकर पंडित
   अध्ययनार्थ प्रथम दस पद ।
2. राम भक्ति शाखा के अज्ञात कवि - डॉ. मु.ब.शहा
   संत जन-जसवंत की पदावली
   पदसंख्या — 2, 15, 17, 18, 27, 31, 36, 37, 38, 46

अध्ययनार्थ विषय :

1. मराठी संतों द्वारा प्रयुक्त विशिष्ट छंद और काव्य प्रकार ।
2. मराठी संतों की भक्ति भावना ।
3. संत काव्य की प्रासंगिकता ।
4. पठित पदों संदर्भ में भाषा एवं कला की विशेषताएँ

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी को मराठी संतों की देन - आचार्य विनयमोहन शर्मा
2. संत नामदेव की हिंदी पदावली - डॉ. भगिरथ मिश्र ।
3. संत नामदेव और हिंदी पद साहित्य - डॉ. रामचंद्र मिश्र ।
4. हिंदी और मराठी का निर्गुण संत काव्य - डॉ. प्रभाकर माचवे
5. हिंदी और मराठी के वैष्णव संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन -डॉ. न.चि.जोगलेकर
6. मराठी का भक्ति साहित्य - डॉ.भी.गो.देशपांडे
7. मराठी संतो का सामाजिक कार्य - डॉ.वि.भी.कोलते
8. महाराष्ट्र के प्रमुख साधना संप्रदाय - डॉ.र.वा.बिवलकर

एम.ए. हिंदी भाग - 1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

* प्रश्नपत्र - 1 सामान्य स्तर - आधुनिक गद्य *

प्रथम सत्र
1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा ।
2) निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रथम 4 प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे ।
3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । दो के उत्तर अपेक्षित। प्रश्न क्र. 5 में `अ` विभाग में एक पाठ्यपुस्तक पर दो और `आ` विभाग में दूसरी पाठ्यपुस्तक पर दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक विभाग में से एक-एक अवतरण की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

द्वितीय सत्र
1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा ।
2) निर्धारित तीन पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रथम 3 प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे ।
3) प्रश्न क्र. 4 में लघुत्तरी प्रश्न होंगे। प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक-एक प्रश्न होगा। इन तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखना अपेक्षित हैं।
4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक-एक अवतरण होगा। इन तीन अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

* प्रश्नपत्र - 2 विशेष स्तर – प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य *

प्रथम सत्र
1) प्रश्नपत्र 80 अंको का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा।
2) निर्धारित कवियों पर आधारित प्रथम 4 प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे।
3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा। प्रश्न क्र. 5 में `अ` विभाग में एक पाठ्यपुस्तक पर दो और `आ` विभाग में दूसरी पाठ्यपुस्तक पर दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक विभाग में से एक-एक अवतरण की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

द्वितीय सत्र
1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा ।
2) निर्धारित कवियों पर आधारित प्रथम 3 प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे ।

3) प्रश्न क्र. 4 में लघुत्तरी प्रश्न होंगे। प्रत्येक कवि पर एक-एक प्रश्न होगा। इन तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखना अपेक्षित ।

4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रत्येक कवि पर एक-एक संदर्भ होगा। इन तीनों संदर्भों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

* प्रश्नपत्र -3 विशेष स्तर – भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना *

प्रथम सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) प्रथम 4 प्रश्न भारतीय काव्यशास्त्र पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

3) प्र. क्र. 5 आलोचना पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जायेगा ।

द्वितीय सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) पाँचों प्रश्न पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

* प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : विशेष साहित्यकार – अ) कबीर *

प्रथम सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) कवि का समग्र अध्ययन अपेक्षित है। अध्ययनार्थ दिए हुए विषय केवल दिशा दर्शक है।

3) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा। कुल तीन संदर्भ दिए जायेंगे उनमें से दो संदर्भों की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

द्वितीय सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) कवि का समग्र अध्ययन अपेक्षित है। अध्ययनार्थ दिए हुए विषय केवल दिशा दर्शक है।

3) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा। कुल तीन संदर्भ दिए जायेंगे उनमें से दो संदर्भों की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

*** प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : विशेष साहित्यकार – आ) कवि दुष्यंतकुमार ***

प्रथम सत्र 1) कवि का समग्र अध्ययन अपेक्षित है ।अध्ययनार्थ दिये हुये विषय केवल दिशा दर्शक है ।

2) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

3) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक-एक अवतरण होगा। इन तीन अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित ।

द्वितीय सत्र 1) कवि का समग्र अध्ययन अपेक्षित है ।अध्ययनार्थ दिये हुये विषय केवल दिशा दर्शक है ।

2) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

3) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

4) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रश्न क्र. 5 में `अ` विभाग में एक पाठ्यपुस्तक पर दो और `आ` विभाग में दूसरी पाठ्यपुस्तक पर दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक विभाग में से एक-एक अवतरण की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

*** प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : विशेष विधा - इ) हिंदी उपन्यास ***

प्रथम सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल 5 प्रश्न पूछे जाऐंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रश्न क्र. 5 में `अ` विभाग में एक पाठ्यपुस्तक पर दो और `आ` विभाग में दूसरी पाठ्यपुस्तक पर दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक विभाग में से एक-एक अवतरण की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

द्वितीय सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल 5 प्रश्न पूछे जाऐंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक-एक अवतरण होगा। इन तीनों अवतरणों में से किन्हीं दो की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

*** प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : विशेष विधा - ई) हिंदी निबंध ***

प्रथम सत्र 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल 5 प्रश्न पूछे जाऐंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रश्न क्र. 5 में `अ` विभाग में एक पाठ्यपुस्तक पर दो और `आ` विभाग में दूसरी पाठ्यपुस्तक पर दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक विभाग में से एक-एक अवतरण की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

<u>द्वितीय सत्र</u> 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। कुल 5 प्रश्न पूछे जाऐंगे। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे ।

2) सभी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक-एक अवतरण होगा। इन तीनों अवतरणों में से किन्हीं दो की संसदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

* <u>प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : अन्य उ) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया</u> *

<u>प्रथम सत्र</u> 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे । कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे।

2) प्रश्न क्र. 1,2,3 एवं 4 दीर्घोत्तरी स्वरूप में अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे ।

3) प्रश्न क्र. 5 टिप्पणियों का होगा । कुल तीन विषय टिप्पणियों के लिए दिये जायेंगे, उनमें से दो के उत्तर लिखना अपेक्षित ।

<u>द्वितीय सत्र</u> 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे । कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे।

2) प्रश्न क्र. 1,2,3 एवं 4 दीर्घोत्तरी स्वरूप में अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे ।

3) प्रश्न क्र. 5 टिप्पणियों का होगा । कुल तीन विषय टिप्पणियों के लिए दिये जायेंगे, उनमें से दो के उत्तर लिखना अपेक्षित ।

* <u>प्रश्नपत्र - 4 विशेषस्तर वैकल्पिक : अन्य ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य</u> *

<u>प्रथम सत्र</u> 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे । कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे ।

2) निर्धारित पाठ्यक्रम पर प्रथम चार प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । कुल तीन अवतरण दिए जायेंगे, उनमें से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

<u>द्वितीय सत्र</u> 1) प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 16 अंक होंगे । कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे ।

2) निर्धारित पाठ्यक्रम पर प्रथम चार प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । कुल तीन अवतरण दिए जायेंगे, उनमें से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

* समकक्ष विषयों की सूची *

पुराना पाठ्यक्रम	नया पाठ्यक्रम
अ.क्र विषय	अ.क्र विषय
1 प्रश्नपत्र-1 : सामान्यस्तर - आधुनिक गद्य	1 प्रश्नपत्र-1 : सामान्यस्तर - आधुनिक गद्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)
2 प्रश्नपत्र-2 :विशेष स्तर - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	2 प्रश्नपत्र-2 :विशेष स्तर - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)
3 प्रश्नपत्र-3 :विशेष स्तर - भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना	3 प्रश्नपत्र-3 :विशेष स्तर - भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)
4 प्रश्नपत्र - 4 :विशेष स्तर - वैकल्पिक * विशेष साहित्यकार अ) कबीर आ) कवि दुष्यंतकुमार * विशेष विधा इ) हिंदी उपन्यास ई) हिंदी निबंध * अन्य उ) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया ऊ)मराठी संतों का हिंदी काव्य	4 प्रश्नपत्र - 4 :विशेष स्तर - वैकल्पिक * विशेष साहित्यकार अ) कबीर (प्रथम एवं द्वितीय सत्र) आ) कवि दुष्यंतकुमार (प्रथम एवं द्वितीय सत्र) * विशेष विधा इ) हिंदी उपन्यास (प्रथम एवं द्वितीय सत्र) ई) हिंदी निबंध (प्रथम एवं द्वितीय सत्र) * अन्य उ) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम एवं द्वितीय सत्र) ऊ)मराठी संतों का हिंदी काव्य (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रा. आर. पी. राजपूत
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उमवि, जलगाँव